INDUSTRY- ACADEMIA CONNECT

Date: Wednesday, 06-Feb-2013

Press Clippings: 07-Feb-2013

Focus on practical training for jobs

Dhirendra Kumar addresses the audience in Ranchi on Wednesday. Picture by Prashant Mitra

Industry-friendly education mooted

OUR CORRESPONDENT

Should an educational institution devote itself to preparing free, right thinking and creative individuals or cater to the needs of the industry?

This was one of the serious questions that surfaced during a panel discussion on Industry-Academia Connect, organised by ICFAI Univerisity, Ranchi at its Ashok Nagar campus on Wednesday afternoon.

"Industry drives economy and academia provides fuel (read talent and know-how)," said O.R.S. Rao, vice chancellor of ICFAI University while introducing the topic. Citing different sources, he mentioned that only 17 per cent of fresh engineering graduates, 21 per cent of fresh MBAs and 25 per cent of information technology (IT) graduates were found employable in the country in 2011.

Pointing out that failure to apply (at workplace) what they learnt in classrooms was a major hindrance and Rao advocated a meaningful partnership between industry and academia.

The participants in the panel discussion, barring one, were all associated with various industrial sectors and as expected they stressed on such an education system or at least a curriculum that would be industry-friendly.

S.K. Behra, vice-chairman of Confederation of Indian Industries (CII), Jharkhand chapter, who came from Jamshedpur, said the present education system was not suited for the industrial sector. He strongly recommended compulsory training for engineering students at industrial units so that they acquired basic knowledge in their chosen field.

Rana Chakravarty, chief of corporate communication at Mecon Limited, Ranchi, did not, however, endorse Behra's views. "Trainees take these training very casually and are just interested in taking the certificate," he opined. Training would be helpful only if those undergoing it are monitored properly, he added.

"We send everyone to a rural unit for three months as part of compulsory training, but most don't like that and want to remain in cities," said Dhirendra Kumar, managing director, Jharcraft. Training provides competence, he said, adding that competent professionals actually don't even need to be supervised.

Hoteliers Prabhakar Singh and Ravinder Singh stressed on practical exposure as there is a total disconnect between theory and practice.

Jalaluddin Mandal of Vodafone felt that students should be taught in such a way that they get acquainted with the "basics" of the industry.

K.K. Nag, former vice chancellor of Ranchi, Bhagalpur and Vinoba Bhave Universities, who, despite favouring increase in employability of students, felt that universities were actually meant to be knowledge hubs and students must inculcate values and become good human beings.

MORNING INDIA
Thursday, 7 February
Ranchi, 2013

IUJ organizes 'Industry-Academia connect'

Ranchi: ICFAI University Jharkhand (IUJ), in association with Confederation of Indian Industry (CII) on Wednesday organized an Industry- Academia Connect to strengthen the engagement between Industry and Academia. A large number of Senior Officials and Academicians from reputed organization likeIIM -Ranchi, Abhijeet group, Bhushan Power & Steel, ICICI Bank, HDFC Bank and Capitol Group of hotels participated in the event.

ORS Rao, VC, on the occasion said, "While Industry drives the economy, Academia provides the fuel to the Industry in terms of Talent and Know-How. Partnership between them will help in improving the quality of fuel".

Speaking on the Academic Perspectives of the collaboration, M J Xavier, Director, IIM Ranchi said that Industry and Academia are the two bullocks yoked to the cart of collaboration driven forward under the skilled stewardship of the Government for mutual benefit. In his address, DN Ojha, Director, Higher Education, Govt. of Jharkhand mentioned that Government will be very happy to facilitate the partnership as it is beneficial for the state as a whole. Putting forward the Industry perspectives, SK Behra, Vice- Chairman, CII Jharkhand and VC and MD, RSB Transmissions (I) Limited, highlighted the initiatives taken by CII to promote the partnership in the state of Jharkhand. He mentioned Industry academia research partnerships as a powerful way to upgrade talent base.

Dhirendra Kumar, IFS, Special Secretary, Dept. of Industry, Govt of Jharkhand and MD, Jharcraft, in his inaugural address mentioned the various initiatives of Jharcraft and said that a general shift is observed in closer working between academia and industry . "However, they need to work together to bridge the skill gaps of fresh graduates so that they are productive from the day of their joining the industry" added, Dhirendar Kumar.

प्रभात खबर
रांची, गुरुवार
7 फरवरी, 2013
06

■ इक्फाई में इंडस्ट्री-एकेडमिया कनेक्ट, धीरेंद्र बोले

उद्योग व शिक्षा जगत मिल कर काम करें

कार्यक्रम में विचार रखते झारक्राफ्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर धीरेंद्र कुमार.

संवाददाता ■ रांची

यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के बाद उद्योग में आनेवाले ज्यादातर युवाओं को फील्ड वर्क में परेशानी होती है. इसकी वजह है कि उनका प्रशिक्षण नहीं होता. इस समस्या से निबटने के लिए उद्योग व शिक्षा जगत को मिलकर काम करना होगा. शिक्षा के दौरान अगर सही प्रशिक्षण मिले, तो हमें अच्छे पेशेवर युवा मिलेंगे. यह बातें बुधवार को उद्योग विभाग के विशेष सचिव व झारक्राफ्ट' के मैनेजिंग डायरेक्टर धीरेंद्र कुमार ने कही. वे अशोकनगर स्थित इक्फाई विश्वविद्यालय के इंडस्ट्री-एकेडमिया कनेक्ट में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि झारक्राफ्ट अपने प्रोडक्ट को 12 देशों में निर्यात कर रहा है. हमें अगले दो-तीन वर्षों में बड़ी संख्या में कुशल व प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पड़ेगी. सीआइआइ के वाइस चेयरमैन एसके बेहरा ने कहा कि भारत में 65 प्रतिशत युवा हैं, पर ज्यादातर के पास स्किल नहीं है. कुछ क्षेत्रों में हम अच्छी स्थिति में हैं, पर मैन्युफैक्चरिंग व अन्य मामलों में हम काफी पीछे हैं. सीआइआइ और इक्फाई विवि साथ मिलकर युवाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था कर रहा है. इक्फाई के वाइस चांसलर प्रो ओआरएस राव ने बताया कि उद्योग व शिक्षा जगत को मिल कर काम करना आज की जरूरत है. अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के विवि हर वर्ष 6000 से ज्यादा उत्पादों का पेटेंट कराते हैं. उनका उद्योग जगत के साथ अच्छा तालमेल है. प्रो के-के नाग ने भी विचार रखे. तकनीकी सत्र में और विचारों का आदान-प्रदान हुआ.

हिन्दुस्तान • रांची • गुरुवार • 07 फरवरी 2013 4

अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी मॉडल पर हो काम

रांची | संवाददाता

इक्फाई विवि झारखंड और सीआइआइ के संयुक्त तत्वावधान में उद्योग और एकेडेमिक जगत के बीच संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को उद्योग-एकेडेमिया कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आइआइएम, रांची के निदेशक एमजे जेवियर ने कहा कि उद्योग व शिक्षण संस्थान इस बंधन के दो स्तंभ हैं। इनमें सरकारी तंत्र अपनी कुशलता से लाभ के लिए आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने समाज और अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी मॉडल पर काम किए जाने की बात कही।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो ओआरएस राव ने उद्योग और एकेडमिया के बीच नजदीकी साझेदारी की अनिवार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है।

इक्फाई विवि की ओर से आयोजित उद्योग एकेडेमिया कनेक्ट कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि वक्ता। • हिन्दुस्तान

दोनों की साझेदारी से प्रतिभाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में डॉ डीएन ओझा, एसके बोहरा, धीरेंद्र कुमार, डॉ बीएम सिंह, प्रो मदन प्रसाद, प्रवीण कुमार, प्रो एएस प्रसाद, डॉ केके नाग के अलावा कई शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे।

पैनल डिस्कशन भी हुआ : समारोह में पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया। इसमें उद्योग और शिक्षा जगत के संबंध की जरूरत, उद्योग का योगदान और शिक्षा जगत व सरकार जैसे विषयों पर चर्चाएं हुईं। चर्चा में मेकन, टाटा पावर, कैपिटल ग्रुप, वोडाफोन, आइसीआइसीआइ बैंक, झारक्राफ्ट और साउथ पार्क होटल के वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने विचार रखा। डॉ केके नाग ने परिचर्चा का सार पेश किया।

कार्यरत पेशेवरों के लिए द्विवर्षीय एमबीए कोर्स : विश्वविद्यालय इस सत्र से कार्यरत पेशेवरों के लिए द्विवर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम लाने जा रहा है। इसकी कक्षाएं शाम में होंगी। साथ ही पार्ट टाइम पीएचडी इन मैनेजमेंट की भी शुरुआत की गई है। इसमें 70 फीसदी शोधकर्ता उद्योग जगत से हैं।

4 | दैनिक जागरण रांची, 7 फरवरी 2013

इक्फाइ में एकेडमिया कनेक्ट का आयोजन

इक्फाइ विवि ने सीआइआइ के साथ मिलकर उद्योग व एकेडमिक जगत के बीच संबंध मजबूत करने के लिए उद्योग-एकेडमिया कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है। उद्योग जगत अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, शिक्षा जगत उद्योग को आगे बढ़ाता है।

6 | दैनिक जागरण रांची, 5 फरवरी 2013

इक्फाई विवि में सेमिनार 6 से

रांची : इक्फाई विवि में उद्योग एकाडेमिक कनेक्ट पर सेमिनार का आयोजन किया गया है। यह सेमिनार विवि के ग्रांड इमराल्ड भवन में 3 बजे से शुरू होगी।

दैनिक भास्कर रांची, गुरुवार, 7 फरवरी, 2013 5

इंडस्ट्री को टैलेंट देता है शिक्षा जगत : राव

इक्फाई विवि और सीआईआई ने आयोजित किया उद्योग एकेडमिया कनेक्ट कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | रांची

उद्योग जगत अर्थ व्यवस्था को आगे बढ़ता है, जबकि शिक्षा जगत उद्योग को टैलेंट रूपी ईंधन देता है। दोनों की साझेदारी इस ईंधन की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करेगी। ये बातें इक्फाई यूनिवर्सिटी के वीसी ओआरएस राव ने कहीं। वे बुधवार को इक्फाई विश्वविद्यालय और कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज(सीआईआई) की ओर से आयोजित उद्योग एकेडमिया कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. डीएन ओझा ने कहा कि उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर समाज के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम को कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज(सीआईआई) के वाइस चेयरमैन एसके बेहरा, उद्योग विभाग के सचिव धीरेंद्र कुमार ने भी संबोधित किया और सभी को मिलकर काम करने की बात कही।

इस मौके पर पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया। इसमें मेकॉन, टाटा पावर, कैपिटल ग्रुप, वोडाफोन, आईसीआईसीआई बैंक, झारक्राफ्ट, साउथ पार्क होटल के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार साझा किए। उन्होंने उद्योग और शिक्षा जगत की जरूरत, उद्योग जगत का योगदान, शिक्षा जगत और सरकार के बीच संबंध पर चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. बीएम सिंह, प्रो. एएस प्रसाद सहित कई लोग मौजूद थे।

इक्फाई विश्वविद्यालय में आयोजित एकेडमिया कनेक्ट कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता।

सामूहिक लाभ वाले मॉडल पर हो काम : प्रो. एमजे जेवियर

कनेक्ट कार्यक्रम में आईआईएम के निदेशक प्रो. एमजे जेवियर ने कहा कि उद्योग और शिक्षण संस्थान दो स्तंभ हैं, जिसे सरकारी तंत्र अपनी कुशलता से बेहतर तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग जगत को सामूहिक रूप से लाभ हो, ऐसे मॉडल पर काम करना चाहिए। यह भी कहा कि कार्य ऐसा होना चाहिए, जिससे समाज को भी लाभ होना चाहिए।

सन्मार्ग
रांची, गुरुवार, 07 फरवरी 2013
www.sanmargjharkhand.com
04

इक्फाई विवि में उद्योग एकेडमिया कनेक्ट का आयोजन

उद्योग और शिक्षा जगत के बीच संबंध जरूरी

संवाददाता

रांची: इक्फाई विवि में बुधवार को उद्योग एकेडमिया कनेक्ट का आयोजन किया गया। सीआइआइ के सहयोग से इसका आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य था उद्योग और शिक्षा जगत के बीच संबंध मजबूत करना। इसमें विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। स्वागत भाषण देते हुए प्रो.ओआरएस राव ने उद्योग और एकेडमी के बीच साझेदारी की अनिवार्यता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है जबकि शिक्षा जगत प्रतिभा को निखारता है। कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक उच्च शिक्षा डॉ.डीएन ओझा ने कहा कि सरकार इस संबंध को प्रगाढ़ करने में खुशी महसूस करेगी क्योंकि इससे पूरा राज्य लाभान्वित होगा। आइआइएम के निदेशक प्रो.एमजे जेवियर ने कहा कि दोनों पक्षों को एक मॉडल पर काम करना चाहिए। यह अर्थव्यवस्था और समाज के लिए लाभकारी होगा। कार्यक्रम के दौरान पैनल डिस्कशन का भी आयोजन किया गया। इसमें उद्योग और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने भाग लिया। कुलसचिव डॉ.बीएम सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मौके पर प्रो.एएस प्रसाद, प्रो.मदन प्रसाद, प्रवीण कुमार सहित अन्य शिक्षकों और विद्यार्थी मौजूद थे।

अशोकनगर में आइसीएफएआई के बैठक में उपस्थित संस्थाओं के प्रतिनिधिगण। छाया : इकबाल

रांची एक्सप्रेस
रांची, बृहस्पतिवार 7 फरवरी 2013

'उद्योग एकेडमिया कनेक्ट'

'उद्योग व शिक्षा जगत के बीच साझेदारी जरूरी'

रांची, 6 फरवरी (रां.ए.सं.) : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड ने सीआईआई के साथ मिलकर उद्योग और एकेडमिक जगत के बीच संबंध मजबूत करने के लिए 'उद्योग एकेडमिया कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया।

■ इक्फाई विवि झारखंड व सीआईआई ने 'उद्योग एकेडमिया कनेक्ट' का आयोजन किया

आईआईएम रांची, अभिजीत ग्रुप, भूषण पावर व स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस रिटेल, वोडाफोन, झारक्राफ्ट, एयरटेल, एचसीएल, जिंदल स्टील, एसबीई, टाटा पावर, मेकॉन, टाटा एआईजी, अल्ट्राटेक सीमेंट, कैपिटल होटल ग्रुप आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं से वरिष्ठ पदाधिकारी व शिक्षाविदों ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किये।

विचार व्यक्त करते विशिष्टजन। छाया : आसिफ

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो.औआरएस राव ने उद्योग व एकेडमिया के बीच नजदीकी साझेदारी की अनिवार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है। उद्योग जगत अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है जबकि शिक्षा जगत उद्योग को टॉयलेट रूपी ईंधन प्रदान करती है। शिक्षा की निरंतरता बनाये रखने के लिए विवि ने पार्ट टाइम पीएचडी इन मैनेजमेंट की शुरुआत की है, जिसमें 70 फीसदी शोधकर्ता उद्योग जगत से हैं और वह उद्योग संबंधित विषय पर शोध कर रहे हैं। विश्वविद्यालय भी 2013 के सत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए द्विवर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम लाने जा रही है, जिसकी कक्षाएं शाम में करायी जायेंगी।

प्रो.एमजे जेवियर (निदेशक, आईआईएम, रांची) ने कहा कि उद्योग व शिक्षण संस्थान इस बंधन के दो स्तम्भ हैं, जिसको सरकारी तंत्र अपने कौशलता से आपसी लाभ के लिए आगे बढ़ा रही है।

इस मौके पर उच्च शिक्षा निदेशक डा.डीएन ओझा, उद्योग विभाग के विशेष सचिव धीरेन्द्र कुमार सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

उद्घाटन समारोह के बाद एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया जिसमें उद्योग व शिक्षा जगत जैसे मेकॉन, टाटा पावर, कैपिटल ग्रुप, वोडाफोन, आईसीआईसीआई बैंक, झारक्राफ्ट, साउथ पार्क होटल के प्रतिष्ठित लोगों ने 'उद्योग व शिक्षा जगत के संबंध की जरूरत', 'उद्योग का योगदान', 'शिक्षा जगत व सरकार के संबंध जिससे और मजबूती मिले' जैसे विषयों पर चर्चा हुई।